॥ॐ॥ श्रीसर्व्वज्ञेभ्यो नमः॥ दूहा॥ सकल श्रेय वृद्धि दायिनी। मुनिवर वंदित जेह। जिन पद नख द्युति नित नमुं। आणी अधिक सनेह ॥१॥ सत्य अर्थ वाचक वृषे। सदा विराजे जेह। ते श्री वृषभ सुप्रभु तणा। चरण नमुं गुण गेह ॥२॥ अंतर अरि पुर गढ विले। णि॥ जिणि जीत्यो भिण माहि। अजित स्वामि प्रभु नमुं। ते जिनधर दिन्ना दि॥३॥ महिमा मोटो जेहनो। सकल सौ सुखदातार। सविमन वंछित पूरवा। कामकुंभ अवतार ॥४॥ कुसुम लवल्लि वनसिंचवा। जेम कर जल धार। विश्वसेन कुल अवतर्या। मकल जंतु आधार ॥५॥ शांति नाथ प्रभु सोलमा। गज पुर स्वामी देव। विरुं पद वीक्षा रक दृष्टया। सार सुरनर सेव ॥६॥ ते श्री शांति जिणंदनो। सरस सरस सिक संबंध। विस्तारिकरी वर्णवु। हृदय हर्ष अनुबंध ॥७॥ गुण अनंत श्री जिनतणा। किमकरि वर्णाजाय। पंडित प्रभुनी सन्निधुं॥ मोटो मुझ मदाय ॥८॥ श्री सुमतिसुरुनी सांनिधि। रचस्युं एह रसाल। ढाल बंध श्रीशां

नि

तिनो। राम प्रबंध विशाल ॥९॥ नवनव नवरचढतीकला। शुकल पक्षि जिम चंद। जिम कीर्त्ति निम वर्द्धवु ॥ ध्रु॥ रिमन मांणंद ॥१०॥ सवपहिले श्रीषेण नृप वितसी बहु संपत्ति। तेस विस्तर कुं कहुं॥ सुणजोन विलंब करित्त ॥११॥ ढाल बांधि श्रीशां ति जिणंदनी॥ जंबूद्वीप मनोपम जाण॥ सकल द्वीप शृंगार। मेरु महीधर मध्य विराजे॥ लक्ष योजन विस्तार। जेम दिवंकर युत आवासा। वासधरा दोइ चार ॥ तेह तणो अंतर असंख्यात ॥ सन्न वासमु विचार ॥१२॥ टूंक॥ मांमो॥ सरदेहमवटंति। हरिवासंति। महाविदेहंति। रम्म गएरण्णवय। ऐरवयंचेववासाइ ॥१३॥ तेमांहि मुसरतजन सेव्युतसर तनामवर विजे। जिनवरचक्र धरादिक नर वरवरणवासमुपवित्त। नरतलमिस्त्र पणगतइषण॥ पत्तनबऊजन वासं॥ रत्नपुरंपुर मोरनोपम। बऊमणिरटणनि वासं ॥१४॥ वापीवप्पविहार विराजे। वाडीवनेआराम। सकल लोकधनवंत विलासं

बकुआसा विश्रामं। मानीध्यानीदानीमानीसज्ञान जन सन्मानं॥ एदुवनगरत्रनोपमहे
यं इंद्रपुरीउपमानं॥ ६॥ चारु नीति श्रुतसरिनिमहामति लक्ष्मीपतिगुणधारी। श्रीषि
णनिधनामेहपतिवामेजाणे सुरअवतारी। नीमकांतरूपतिगुणधारे नवरसदेान
रसीदो। राजाराजकरेंअतुलीबल तेजेअकलअबीदो॥ ७॥ तेदनेघरिराणीगुणइं
द्राणी। जाणीनीजगमांहि॥ रूपेरतिराणीदोइषटराणी वाहलीजीवितप्राय॥ आवि
शिविआगलिदिनिदितजोमें आवेतेअतिधान॥ विलसेतेसाथेनृपजनगनाअइतो
मीजोमिसम्मम॥ ८॥ विलसंतासोगा पुण्यसंजोगा एकदिवसनेयोग॥ सुख
सेजे सूतीपूण्यपनोती पदिनीस्वीनीरोगा॥ रुडुअमरूपा तोलतविस्वा ता वेद
सूरदोयइंद॥ देषेउत्संगे कीजा करताधरताअतिआणं॥ दी॥ देषीसुपनतरदश

वेलि॥ जयजय मुक्तस्वामीअंतरजामी ज्ञाणनाथेंपयभवधरि॥ सुदएवेभेदी
ठालागामीतावंदसूरदोयसारा॥ ९॥ तेदनेफलस्वामीकदोरति कामीपूलु बेक
रजोमि॥ सोनलिरूगनयणी चंदावयणी फलनाणुंमनकोमि॥ दोसेंसुतसुंदर
रूपपुरंदर निजकुलदीपकदोया॥ दरषीतेराणी निसुणी वाणीआवीमंदिरसोय
॥ ७॥ दोयगनधरंतीतेगुणवंती सोहेअमिअपार॥ जाणगनयगारीदोयनरधा
रीधरणिपरिगुणधार॥ शुभसोदतोलाधेंसाधेधर्मविचार॥ शुभवेतोराणीगुण
मणिषाणी पभवेदोयकुमार॥ १०॥ श्रीषिणनरिंहाधरिआणंहा आवेदादबा
र॥ बेदीठोकांवेगुणिजनगावे बोलेजयजयकार॥ चिरजीवोनंदनजगआन
दनकोकांकोमिवरीस॥ सोदवइमगावेंदरषवधावेंदेतीवकुआसीस॥ ११॥

देषीदोयपुत्रागुणसंयुक्ता मनआदर्षसेरेण॥ माताकुलराखेवलिधरावेसत्व

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June 2017

यहिनिजकरेण ॥ सुतनामेंसुंदर गुणमणिमंदिर इंषेण बिंदुषेण ॥ चंद्र
तीवटापामेंबऊजनकामेंसुंदरीमोसेरूपगुणेण ॥११॥ दिवसअष्टमवर्षेविद्या
लेहदर्षेपाठवीयादेवानंद ॥ नौसालेरूपाजिमतेसूपा बुधेजेहअभेद ॥ रस
गंधअनुत्तर कलाबऊतरिसणीयासारीखेद ॥ देषीदोयजणयादर्षीमाया
वाधोचित्तनभेद ॥१२॥ योवनवयआयारूपसुहाया मानुदोयरति
कंत ॥ मावित्रमनोरथकरतासारघरराजलीलविलसंत ॥ पहिलीएहा
लेपुण्यविशालेहाबोराज्यविलास ॥ श्रीसुमतिसुगुरुनोसीसकहैसु
विसुणेशांतिजिनरास ॥१३॥ इहा एणिअवसर एसरतमां ॥ मधनाग
धनामशुभदेश ॥ तेमांहिंबऊरुहिसस्यो ॥ अचलनामसन्निवेस ॥१॥ वेद
विचक्षणतिहांवसे ॥ बारुवाभ्रवणेक ॥ धरणीजटनामेंनिपुण ॥ सकल

जोजोजगतविमासीरे। विषयसमीविसमीनही। महियलमोटीहासीरे ॥ उलीहनीषेट

शास्त्रसुविवेक ॥२॥ तसघरणीधरणीपरिं ॥ कूमावेतमोलीद ॥ नामथ
ीसडासली ॥ मीठीजेहनीजीद ॥३॥ पिनमाहेसुखविलसंता ॥ जन
मोमाअंगजदोय ॥ नेहिसूति श्रीसूनिबिऊ ॥ रूपअनोपमसो ोय ॥ धरा
ल ॥ श्रेणिकमनमचरिजमटो ॥ एदेशी ॥ ढाल २ ॥ तेहिजनाघरमांवसे
॥ कपिलानामेदासीरे ॥ आवीटोवनवेसमां ॥ प्रेमकलासुविलासीरे १
विरुईविषयविरूवनां ॥२॥ विरुईरूपदेषीदासीतणो। वाभवघटो ॥
विपरीतोरे ॥ वेदकलाअलगीरही ॥ मोदकतणेंपूतोरे ॥३॥ विरुईछे लोक
लऊजानविलेषवी ॥ मोदतणेंवसिलीनोरे ॥ शीलतनजीनेंऊसीलनी ॥ घरणी
दोयदासी आधीनोरे ॥४॥ विरुईछे ॥ सुखविलसंतातहस्यु ॥ कपिलाकूपि
लाजायोरे ॥ कूपिलसुतनीजोघयो ॥ जातिविद्यानगवायोरे ॥५॥ ॥ अंग
जदोयनेआदरे ॥ वेदाभ्यासकरावेरे ॥ जातिविद्यानजाणेकरी ॥ कपिलस

णीनसणावेरे ॥६ विक० ॥ मानहीनमतिआगलो ॥ अनगोरदीइकचीतोरे ॥ श्रवणमननचिंतनकरी ॥ शास्त्रसुणेशुभीतोरे ॥ सुविध ॥ सासनतणा ४
मघलीकला ॥ सोधोसकलविचारोरे ॥ वेदकलाकुशलीघट्यो ॥ मानधनी
मतिधारोरे ॥ ६ विक० ॥ जातिअवज्ञानेनथे ॥ नगरमुकीनीसरीयोरे ॥ य
ज्ञसूत्रदोयधारतो ॥ मदामादणजिमवरीयोरे ॥ ए० विक० ॥ विद्यामदम
हिमालतो ॥ संचरतोचपीवेरे ॥ अनुक्रमेरत्नपुरेगयो ॥ सुखपाम्योतदीवे
रे ॥ १० विक० ॥ नगरनिरीक्षणकारणे ॥ समतोकपिलकदापीरे ॥ सत्यकि
पोतकेतिपाठकतिदावसे ॥ द्विजवरश्रमतज्यपापीरे ॥ ११ विक० ॥ छात्रजणा
वेतेबरू ॥ कपिलगयोतसगेदेरे ॥ वेदअर्थपूछेघणा ॥ अगमअगोचरजे
हरे ॥ १२ विक० ॥ उत्तरनविदेईसक्या ॥ छात्रसबलमतिमतोरे ॥ सत्यकिम
नदरशेघणु ॥ मतिगुणदेखिमदतोरे ॥ १३ विक० ॥ विद्याघीआदरनदे ॥ ४
विद्यासबलसखाईरे ॥ विद्याबंधुविदेशमा ॥ विद्यादेवतसाईरे ॥ १४ विक० ॥

॥ नदीआचरणकुलीनुरे ॥ १५ विक० ॥ नग्नपणेआवोइहां ॥ धिगएहस्पृह
दवासोरे ॥ मेदरागतेनपरिं ॥ सामागुणआवासोरे ॥ २७ विक० ॥ बीजुनपर्व
कोबले ॥ मङ्कदेएवातोरे ॥ रामकदेबीजीढालमा ॥ जोईलेजोक्षातोरे ॥
२८ विक० ॥ इहांसोपती ॥ कपिलतणोरिवेवाप ॥ कर्मवसेघट्योइबले ॥ पग
टुकपूरवपाप ॥ क्षीणघडुंधनतेदहु ॥ १ ॥ जोमीजिसोवार ॥ राष्णुएदरदेनदी
॥ षरचोकोईशुसवामा ॥ जिमवाधेबिमणुवली ॥ २ ॥ वाद्यकलंकनेषधे ॥ पूर्व
पुण्यविनवव्यस्पृष्टा ॥ संपदोविपदएवविसृष्टाः ॥ पात्रपाणिकमलापीमा
सो ॥ तासुशांतिकविधिविधिदृष्टः ॥ ३ ॥ मुकीमननुमान ॥ परदेशेतेसचस्यो
जाणीकपिलमनमानो ॥ रत्नपुरेआवोवदी ॥ ४ ॥ आवतदीठोतात ॥ दोमीलाशो
पानलेनीचोदीयेजात ॥ दर्षधरीदेजानुइं ॥ ५ ॥ कोइमिमकरिसोबेट्य ॥ तो
जनअवसरिकंतने ॥ अनगोबेठोजोय ॥ चितचमकुंतामातणु ॥ ६ ॥ ढालनमण

षमणीनेमनमस्सणीदेवी॥ सासाकरजोमीकदेवाच॥ सु॥ससुराजीमुऊला
षोसाच॥ सुंदुमअंगजएदकेअवर॥ ऊठकदोतोदत्याद्विजवर॥१॥दत्तापति
कबीदतोतेद॥ सासुकदे सुणिवऊगुणगेद॥ एमुऊदासीनोअंगजात॥ सो
नलिसमऊीसघलीघात॥२॥ धनआणुतिदीदोकपिलेपचुर॥ धरणीजट
चालोनिजनगर॥ सत्यसासाभागईनयनेपाणी॥ करजोमीनेइणिपरिनासे॥३
॥ स्वामीचुपेचमलोकपाल॥ दीनअनाघतणोरषवाल॥ डुडुषिणीनेअबाला
बाल॥ करिकरिसवामीसारसंसाल॥३॥ यत दुर्बलानाम्नाधानाबालवृद्धि
तपस्विनां अन्यायपरिहृतानांसर्वेषांपार्श्विवोगति॥४॥ ढष्यय॥ रोपेतरु
उनवात॥ बालतरुवरनेसिंचे॥ कंटककाढेदूरि॥ सरलतरुंराषेविद्वे॥उ
द्यनमहिंफलफू॥ सूमिपरुतांकेहरखे॥ जेफूलावऊफूल॥ तासपणिस
दनचखें॥ इमअनेकमालीतणा॥ गुणसघलाअंगिधरइ॥ रामकदेतेन्

मिनिपति॥ सकलेंललोकमपतिकरइ॥२॥ जातिदीनपतिमुऊकरचढीये
कोइकपूरवदुष्कृतनहीयो॥ दिवेएदसुंकेदोरतिराग॥ सुऊमनमांवसी
योवैराग॥४॥ तेमांटेंदुमपासेआवी॥ वातकदोतेदनेसमझावी॥ जिमआज-
न्मलगेंदुशील॥ पालेजेदथीलदीइलील॥५॥ श्रीषिणराय सुणीइमवात॥ तेमो
कपिलसणीसाष्यात॥ दुऊगृदवासघीवीरमीनारि॥ विगतनेदऊपरिसोप्यार॥
॥ मुकिंतुएदनेजनकनेगेद॥ पालेशीलसुनिर्मलदेद॥ बलदुबोलेंकपिलविमासी
॥ मदाराजमीमांहीदामी॥६॥ घाणप्रियानिकिमदुकाय॥ एविणघऊीवरमां
सोघाय॥ राजनलीवैननीएमूली॥ थितिनजाइमेंद्यनमूली॥७॥प्राणकदुंतोएना
कदाय॥ एविणप्राणघणुसीदाय॥ स्वामीवलीवलीसुंबोलावो॥ घाणप्रियानइ
घरबोलावो॥८॥ कदेंसामावलदुमनमेली॥ एसाघेंनविकरवीकेली॥ जोनहीं
मिइलेंकिमहीएद॥ अनलशरणकरवुएदेद॥९॥राजनकपिलसणीइमसोषो

॥ किम मांटी पणे एहनेंरागे॥ मनमोतीसागरो वेजेह॥ कहो किणपरि संधुईतेह
॥११॥ मुझ मनेहि दिरमां रहसेएह॥ पुत्रीपरिसांभलिसमनेह॥ वातसुणीविलखो
घईवलीयो॥ पणिमनमांकोपिंकलकलीयो॥१२॥ सामारहेराणीनेपासे॥ पालें
शीलअषंडमनउलासे॥ रामकहेत्रीजीढालमो मझारि॥ धनजेरामेंनिजआचा
र॥१३॥ दूहा॥ ६ विमलबोधइणअवसरें॥ सूरीसरसगवेत॥ बहुंपरिवारेंपरि
वस्या॥ नमंडलविचरंतोय॥१॥ पावनकरतापाउलें॥ आवनीतलमुनिराज॥जेम
अगाधनवसिंधना॥ तारणतरणजिहाज॥२॥ सुमतिसुमतासाधुजी॥सा
चाजेहनावास॥ दासकरोकहेपनिइ॥ नयप्यासासासाइ॥ रत्नपुरीनेंपरि पा.२३८
सरें॥ देवरमणउद्यानतेमुनिआवीसमोसस्या॥ सुतगणानीसगावना॥ध॥
सुणिआगमनमुनिसुंनु॥ लोकसुखेनरराजा॥ मुनिवरवंदननीसस्यो॥ले
ईसबलोसाजाध्या॥ विधिसुंवंदीसाधुनें॥ त्रिविधेंपइजजमाल॥निसुणेंआ ५

जोसुतनविलासेंय॥ परभवनिर्मलदोसेंय॥ देवगुरुनीभक्तिसलीपरिं॥ पाप
पंकसविधोसेंय॥ ढाल॥ मुझ मनमेंमनमोहनवरीयो॥ अनुभवरस
अतिमीठो॥ जेहअनंतेकालेंपीतम॥ कहीइमेंनविदीठो॥ढाल॥ वातसु
णिवनितानीवारू॥ गईविकलतामनमेंनारू॥ वचनकहेपीतमणसाचु॥दरि
ष्याडुंदिवेंतनघी॥ एढाल॥ मंदिरमालीनेंतेमनिधनआपीनेंपोषेंय॥ प्रतिदि
नपरभेमरपूजानें॥ कुसुमभरणीसंतोषेंय॥१०॥ ढाल॥ पोतेसेठजईतसवारी
॥ल्यावेफूलघणातें॥ गृहद्वारिजिनपूजीजिनमंदिरमां॥ जाइमननीघातें॥१
ढाल॥ पेचाभिगमेंत्रिणनिसिद्धी॥ दशत्रिकजाणोजरमां॥ परभेमरआगलिपर
कासे॥ चैत्यवंदनजिनघरमां॥१२॥ ढाल॥ चैत्यवंदनें॥ परभेमरपरमातमा॥
पावनपरमिहा॥ जयजगगुरुदेवाधिदेव॥ नटणेंवंदीउ॥ अचलअकल
अविकारसार॥ करुणारसमिंधो॥ जगतीजनआधारएक॥ निकारणबं

धो॥ गुणअनंत प्रभुतादराए॥ किमहीकलानलाय॥ रामप्रभुजिनध्या
नघी॥ चिदानंदसुखदाय॥१॥ निजरूपेशिवघानकें॥ इंद्रेंपणितिमही
॥ नामघापनाशिनेदघी॥ परगटजगमांहिं॥ अधातमघीजोहीइ॥ निखेपा
चार॥ तोप्रभुरूपमानलाव॥ पामेनिरधार॥ पावनआतमनेकरेए॥ज
न्मजरामिकदूरि॥ तेप्रभुपूजाध्यानघी॥ रामकहें सुखपूर॥२॥इतिचैत्यवं
दनं॥ शक्रस्तवपनणेंकर जोमी॥ सावधरी निजमनमां॥ स्तवनकरें प्रभु
नुसेखवतो॥ निजआतमनेधन्यमां॥३॥ढाल॥ रागसारंगस्तवन॥ मन
मोहनरूप प्रभुगुणतानमां॥ कालअनंतनजाणेजातो॥ मोहसुराकेपान
मां॥४॥एकें इंद्रितिचकुंदीमां॥ कालगयोअणजानमांहिवेकोइकपु
णादयएकदोगा॥ आयमिलेप्रभुध्यानमां॥५॥ अंतरआतमेमोनरभग
यु विमदूरें॥ तबचैत्यसुधारसपानमां॥ प्रभुतुमदृष्टिलईमोहिंकपरि॥६

॥ अंतरआतमसमानमां॥ ७॥ दरसमरसदेषोजिनजीको॥ लगनलगीतो
रेगणानमां॥ केवलकमलाकंतकृपानिधि॥ छरनदेषोजिहानमां॥ ध्रु॥
असरणशरणजगतकृपगारी॥ परमातमशुचिवानदा॥ रामकहेंतुमआ
णसेवोसविधारीनयपरमाणमां॥ ८॥ इतिमाधारणजिनस्तुति॥ इमस्तु
सधानेंजिनगुणचुणतां॥ सुणतांसदगुरुवाणी॥ पावेंदानदीयेंसलसावेंधर्म
नदत्तधनगुणखाणी॥ ९॥ धर्मघसावेंशासनदेवी तुष्टघईइमबोलेंगा॥ आ
पेसुतवरमेतविचारें॥ नहींकोईधर्मनइतोलें॥ १०॥ सत्पनमारटाल
णीछंदी तुं॥ मंगलकलसनुसुदिणु॥ मनिचिंतइंकतरुपेमादरुं॥ वांछणिनु
महीमदिणु॥ १९॥ मंपूरणनवमासेंप्रसवो॥ सुतसुंदरसोभागी॥ पंच
मीढालेंरामविनयकहें॥ धर्मकरोवरुलागी॥ १२॥ ढाल॥ सुत

जन्मोत्सवबहुकरयो॥ घरचीडव्यअपार॥ सुपनसणीअविधातवें॥ मंग

लकलमकुमार ॥१॥ पंचधा विपालीजनेा ॥ बीजतणेा जिम चंद ॥ माय
ताय मनवल्लहेा ॥ जीवन नयणा ॥ २ ॥ सुतहुनरावेंदर षम्पु ॥ घापीनि
जन्न संग ॥ ३ ॥ द्वेआसी सहणिपरि ॥ माता मननिरंग ॥ ४ ॥ चिरजीवेा मुऊना
नऊ ॥ वादलेमन मुकुमाल ॥ उछरअलवतजाईपलेा ॥ षारासमुहविचा
लि ॥ ६ ॥ ब्रटेा पंचवरसांतणेा ॥ पाठवीबेानेशाल ॥ मुकिविकघा गुरुक
ऊं ॥ शास्त्रतणेंउजमाल ॥ ५ ॥ निजउद्यमसंगतिसुगुरु ॥ चिंतारहितसु
देव ॥ विनयशास्त्रतणवातणा ॥ कारणसघलाएह ॥ ६ ॥ वस्तु ॥ आचार्यपु
स्तकनिवासमदाय वल्ला ॥ बाह्याइमेपवन पंचगुणा नराणा ॥ आरोग्यबु
द्धि विनयेा द्यमशास्त्र रागा ॥ अल्पतराः पवन पे चगुणा नवंति ॥ ७ ॥ तणीप्रवि
णपीढेा ब्रटेा ॥ आठवरसनेा लाभ ॥ बालीजालेाजन कनेा ॥ सघि चाल्येा नाभ ॥ ११
७ ॥ सघिमेंजईल्यावेाऊसमा ॥ पूज्याश्रीजिनराज ॥ प्रतिदिनल्यावेंजईतिहां ॥

॥ फूलमेवानेकाजइ ॥ ८ ॥ वालीमांजईएकलेा ॥ त्यांवेंऊसुमसुवास ॥ कदाग
नमानेंतातनेा दिद्यऊं ॥ जिनगुणध्यास ॥ ९ ॥ मनहुदिनदीतापढी ॥ एक
दिवसमेंटेा ग ॥ जेदब्रुंतेसांलले ॥ १० ॥ नावीनेसेा मा ॥ ११ ॥ के
॥ जंबूद्वीपेंसेादहिणभरते म्हारालाल ॥ चंपानामेंदेा मंगेवरणे ॥ म्हा
॥ तिहांसुरसुंदरदेारानारतिं ॥ म्हा ॥ १३ ॥ नामिगुणवतीदेारा णीवालेंजा ॥ १४ ॥ १
॥ पुत्रीरूपीदेातेहनीजाई ॥ म्हा ॥ १५ ॥ वैजेाकासुंदरीदेा विधिनीपाई ॥ म्हा ॥ १६ ॥
पेशारीदेारंभादारी ॥ म्हा ॥ १७ ॥ राजगतिसारीदेामेादनगारी ॥ म्हा ॥ १८ ॥ तनसु
कुमालिवदेा अंगिनीहाद्दी ॥ म्हा ॥ १९ ॥ सुरनरमेादेंदेा सुखकुंआली ॥ म्हा ॥ २० ॥ विणि
सुहालीदेा नागिणिकालीं ॥ म्हा ॥ २१ ॥ तनसुकुमालीदेा वाणिरमालीं ॥ म्हा ॥ २२ ॥ सा
रठौवनमांदेा नामाश्रावी ॥ म्हा ॥ २३ ॥ सतसखामेादेाएटबेा नावी ॥ म्हा ॥ २४ ॥ पुत्रीनें
देंदेा मनबंधाणेा ॥ म्हा ॥ २५ ॥ चिंतिनरपतिहिअमनसपराणे ॥ म्हा ॥ २६ ॥ आ पुत्र

अलगीदोद्यिमणवुलदो॥ म्हा०॥ षिणनप्रमोडदोएहनोविरदो॥ म्हा०॥रा
णीमावडूदोडमनिरधारी म्हा०॥ तेमोमंत्रीदोसुबुद्धिविचारी॥ म्हा०॥उ
ठअंगजनेदोआपुवेटी॥ म्हा०॥ बडुधनसाचेदोगुणनीपेटी॥ म्हा०॥रा
जन मुकोडोएदृढगाई॥ म्हा०॥ सरिषासरिषेदोदोवेसगाई॥ म्हा०॥ऊ
ठफाटाकदोडुमुफसोभी॥ जोमिलआवेदोकडुशिरनामी॥ म्हा०॥ सरिषा
कुलसुदोसंबंधकीजे॥ म्हा०॥ यहाजगमांदेदोसबलोजीजे॥ म्हा०॥ऊ॥
यतः॥ कुलेचशीलेचसुनाघताच॥ विद्याचवित्तंचवपुर्दयश्च॥ वरंगुण
मप्तविलोकनीया॥ स्तातःपरंलाघवतीचकन्या॥१॥ राजनबोलेदोमनमुरा
जी॥ म्हा०॥ तोकलिमांदेदोसुकरेबाकाजी॥ म्हा०॥ एहणाणोसाचोजा
णी॥ म्हा०॥ बोलनबोलोदोअम्हसुताणी॥ म्हा०॥ पुत्रीदेवीदोअवस्मअ
म्हारें॥ म्हा०॥ मनमांचिंतेदोसचिवतिवारें॥ म्हा०॥ व्याघ्रतटीनोदोम्या ॥१२॥

वएआवो॥ म्हा०॥ नरदेराजादोमेंसमझावो॥ म्हा०॥ रतिरंभासीदो
राएनीतनया॥ म्हा०॥ सुफसुतकुणीदोसबलोअनया म्हा०॥ योगविडुदो
दोकोदोकिममिलसेंपे॥ म्हा०॥ अघवासावीदोकदोकिमटलसेंपे॥ म्हा०॥
अघवाकुलनीदोदेवीसाधी॥ म्हा०॥ करसुकारिजदोमेमतिलाधी॥ म्हा०॥
मानीवातजदोतेघरिवलीयो॥ म्हा०॥ नृपसणीनोदोवंछितफलीयो॥ म्हा०॥
॥ मंदिरआवीदोदेवीसमरी म्हा०॥ दरषेनुजाणीआवीअमरी॥ म्हा०॥ पूर्वेक
रणदोकिमविलावी॥ म्हा०॥ सुतमंदिरमांदोकोढीसारी॥ म्हा०॥१०॥ सुपूर्वेवुदो
करोनारोगी॥ म्हा०॥ तानोरीराणीदोबकुदिनरोगी॥ म्हा०॥ साषेतेदेवीदोक
मंजेकीधा॥ म्हा०॥ चीकणरसनांदीदोनजाइलीधा॥ म्हा०॥ इत्यादयतः॥ कृतक
र्मक्षयोनास्तिकल्पकोटिशतैरपि॥ अवश्यमेवभोक्तव्यंकृतकर्म
शुभाशुभं॥१॥ श्रीशत्रुंजयगिरि-शिखरे॥ मुनिमुक्तेष्वनाद्युपपातले॥ विधि

निरविनाकरमाले॥ फलतिकयालेमनरूपाले॥२॥नमस्पामोदेवानुहेतवि
धेस्तेविंपिवस्मगा॥ विधिवेद्यःसोपिषतिनियलकमैकफलदः॥फलेकमर्थि
तेयदिकिमसरैः किंचविधिना॥नमस्तत्कर्मसोविधिरपिनयेस्यःपुलवति॥
३तेदिजहास॥ मंत्रीबोलेदेवकि मकुलदेवी स्हाण॥ कामनआवेदोबऊ
दिनसेवी॥स्हा०॥देवीबोलेदोनदीश्रमजोवै॥स्हा०॥सोबऊवेलादेएद
लिदोरेा॥स्हा०॥१४॥ कहेतोआपुदोइकनरश्रीआणी॥स्हा०॥करर
सेचितदेाकाविजजाणी॥स्हा०॥सचिवपयंपेदेावातएवदिली॥स्हा०
॥पुरनेदारेंदेा बालेवेमे स्हा०॥ नेनृपकन्यादेापरणीदेमे॥स्हा०॥१५॥
गईकुलदेवीदेा एदबुलाणी॥स्हा०॥वासएचितमादेासचिवेराणी॥स्हा०॥
वाणीकुलमदेा टालएबही॥स्हारा०॥ रामेदाणीदोरारेमीढीस्हारालो
ल॥१६॥ दूहा॥ दिवेदरथेंदीवादनां॥ मांमेअतिमनाण॥रायेंय॰

॥राएसचिवमोटेंमनें॥ घरेंढोलनीसाण॥१७॥ सामग्रीसीषरीसजी
॥मेरुपत्रतिहिंश्रनूप॥ वेलरमणिपूतली॥सोदेंश्रतिहिंसरूपा॥श्रा
श्रेपालनरतेमिनें॥ बानोनिजआवासे॥ वातकदीकरघीमवे॥मंत्रीम
नउल्लासा॥१८॥तेकोईश्रावेंतुमकनें॥ बालकनवलेरूप॥तेदतुदेइ
दोत्यावलेा॥सेदनजाणेनृप॥१९॥दिवेंकुलदेवीसचिवनी॥सावीजाणेक
ता॥सावीकुजेणीपुरी॥ दीयमिंदरषधरंत॥२०॥फूलनेईजाईअंढो॥मे
बोलेकनिजगेद॥राजसुतापाणिग्रहण॥स्नेमेकरसेंएद॥ फूलनेईबा
लीघकी॥मारशिवलंतांता॥२१॥श्राकारेंकुलीरही॥देवीबोलेश्रामा॥२२॥फू
लनेईजाईअंढो॥ जेबालकनिजगेद॥राजसुतापाणिग्रहण॥स्नेमेकर
सेंएद॥२३॥ वातसुणीनेंचिंतवेा॥जईकुलनकनेश्रजा॥ घेरिगयोतबवी
सस्तु॥ वलगेागृहनेंकाज॥२४॥बीजेदिनतिमहीजसुणी॥चिंतेजामकुमा॥

DR BHAU DAJI

मेदश्लोकपाठिवा हलीइ॥ चंपावनदमझारि॥ एणदाननसुलोमेमीस
जलीनजावेरेएदेशी॥ आवोचंपानटरीपासेंरे॥ मनमामगलकलम
विमासेंरे॥ कुणएनगरीकुणएजाझरीरे॥ किणिआणोमुऊनेंकपाली
रे॥ शासमताघाकोमरवरदीवुंरे॥ पांणीपीधंतादुमीवुंरे॥ सरव
रपालेंवहुदुकआनगोरे॥ तिहांनईदसनइहोरेंवनेगोरे॥ आ॥ आ
संगतघटोरवितेणिवेलारे॥ कुमरविचारेंकर्मनीलीलारे॥ जोइ
जलितअनलकुतरीटोरे॥ तिणिदिशिचालोशीतेठरीटोरेरे॥ आ॥
आश्चारकुकनरबऊनापेरे॥ आवोकुंयरतासममीपेंरे॥ दामीकर
तांतेनरजाणीरे॥ संकेतितनरबोल्योबाणीरे॥ आ॥ आविनुमुऊपा
संवत्सवहिलोरे॥ मंदिरमांहरेंघाइसिदोहिलोरे॥ दुमकहीआणो
मंदिरतेदरे॥ सुणोमंत्रीनेसमनेहरे॥ ५॥ असनवसनआण्यामनग

१४

मतारे॥ सावत्सगतिकरीजुगतिंजुगतारे॥ चिंतेकुमरकाकिनकोईरे॥
॥ स्वारथविणआदरनविदोईरे॥ ६॥ ततः वृक्षदीणफलंत्यजंतिविहगा
शुष्कंसरःसारसाः॥ पुष्पंपर्युषितंत्यजंतिमधुपादग्धंवनांतंमृगाः॥ नि
र्द्रव्यंपुरुषंत्यजंतिगणिकाभ्रष्टंनृपंसेवकाः॥ सर्वःस्वार्थवशाज्जनोऽयमरम
तिनोकस्यकोवल्लभः॥ १॥ तेहिनदाह्याज॥ कुंयरपूछेंकाकिजदापोरे॥ मंदि
रमांकिमहानोराषोरे॥ सुमुऊसाथेंकामहुमारेरे॥ मनमांमोटीप्रीतिम
मारेरे॥ ७॥ सचिवकहेंएचंपानटरीरे॥ सुरसुंदरनृपजीत्यावटरीरे॥ नाम
सुबुद्धितसमपरधानोरे॥ कुंयरकासितसुणिमावधानोरे॥ ८॥ नृपपुत्रीमुऊ
पुत्रनेमापीरे॥ परणीआपोरतिसमवापीरे॥ कुमरसणेंसोपाहचमनमां
वीरे॥ आराजनेकोनविपरणावोरे॥ ९॥ तेकहेंमुऊसुनहेंकोहीये॥ कर्म
तणीगतिविसमीपोहीरे॥ कुमरकहेंकीकंआविचारूंरे॥ परिहाशतत्वं

जनकुतारुरे॥ धी॥ कुणएदवोमूरिषअविचारीरे॥ परणीआपेंप
रनेनारीरे॥ मंत्रीमुझकुलनदीआचारोरे॥ कांबडुबोलीलजाहा
रोरे॥ ३॥ रूपकुतारीवरतनेंकापेरे॥ जेपरणीनेंअवरनेआपेरे॥
तेमाटेंनकरुंएकामोरे॥ इणिवातेंपरलवनदीठामोरे॥ ४॥ इतः॥ मि
त्रद्रोहीकृतघ्नश्च॥ स्तेयीविश्वासघातकः॥ चत्वारः कर्मचांडाला॥
पंचमोजातिसंभवः॥ १॥ इस्तेनरकपालेछु॥ महिरामासनछिणी॥ सा
नुःपद्मतिचांडाली॥ केनेयंदीयतेछटा॥ २॥ मित्रद्रोहीकृतघ्नश्च॥ ते
यीविश्वासघातकः॥ कदाचिच्चलितामार्गे॥ तेनेयंदीयतेछटा॥ ३॥ म
त्रीबोलेजोनकरीसएहरे॥ तोकुमारीसनदीसंदेहरे॥ कुमरसणेंमरवु
दुषणिएलुरे॥ पणिइखमोदुमुझलोलननुंरे॥ ४॥ इतः॥ लोभश्चेदगु १५
णेनकिंपिशुनतायद्यस्तिकिंपातकैः॥ सत्यंचेत्तपसाचकिंशुचिमनोय

द्यस्तितीर्थेनकिं॥ सौजन्यंयदिकिंनिजैस्वमदिरायद्यस्तिकिंमंडनैः॥
सद्विद्यायदिकिंधनैरपयशोयद्यस्तिकिंमृत्युना॥ १॥ षमुंगमुंपा
मीमारणधारोरे॥ विचिमांपुरुषेमंत्रीसारोरे॥ समझावोमानीए
वयणरे॥ नहीइहांकोईतादरोसटाणरे॥ ५॥ कुमरेदेवतवाणिसुणा
रिरि॥ सावीजाणुंमनिनिरधारिरि॥ मनपाखेमानीएवातरे॥ दरषोमं
त्रीसातिधातरे॥ ६॥ वजमावेनोबतिनीसाणरे॥ बोलेबंदीजनकुलाणरे॥ गाइंगोरीगीतसुजाणरे॥ चिरंजीवोकुंवरकुलनाणरे॥ ७॥ इ
रषधरीकुंवरनवरावोरे॥ नूषणवमनेनेंतेपहिरावोरे॥ सइकदेव
नजिणिमानीलावोरे॥ बहुदिवसेअम्हेंदरिसणपावोरे॥ ८॥ दरषा
सजनहृदविशेषरि॥ कुमरतणुंमुखपंकजदेषरि॥ सातमीढालेवा
तवषाणरे॥ आषरिवदस्येंढालें॥ पाणरे॥ ९॥ दूहा॥ कुमरकदेकर

जोमिनेंा॥ मंत्रिसरनेंहेक॥ कोनकरेंतेमेंकरूं॥ वातसुणेंद्विवेएक
॥१॥नेआपेंसुफनेंनृपति॥ अरघरारघसंभार॥ तेमविलेसुंडसदी
॥६मकीधोनिरधार॥२॥ बस्कजजेणीमारगे॥ लेईद्यापजोसवी॥स
र्विवेसघलेमानीजे॥ मनमांचईअगर्व॥३॥ लग्नदिवसआयोनिक
ट॥ वाज्यांसनाईनरि॥ वरत्याउत्सवछिडुघरेंमडुमनिआणंदपूरि॥४॥
वालसोइनजी॥ दिवेंकुलवंतीनारि॥ मंजनकरावेंमंगलकलसनेंजी
॥लेईनरकुंपरिसार॥ निमलिजलसरिसोवनकलसनेंजी॥५॥प
हिरावेसुकुमाल॥ मणिआभोपमवस्तुसोहामणाजी॥ दीपेसुदस्वे
श॥ नूषणनूषितअंगरलीयामणाजी॥६॥वेसारीगजरथधी॥ जु
लिमतिचालेकोतलआगलिजी॥ सावेलासेवह॥ वाजेकेसरीवैद्ये
आगेंचलेजी॥७॥टोलेमिलिश्रोक॥ श्रोकेंश्रोकेंकरिइमवातजी॥ १६

॥त्रैलोकासुंदरीधन्या॥ विधिनाणसरिषीजोमीघरीजी॥ पगश्ना
चेपात्र॥ टात्रकरेंवाजनबडुझलद्याजी॥ ऊंचाकरिश्गात्र॥ हरिसणा
देषणनिरिणेगजघटाजी॥ धाबडुआंबरणम॥ श्रोवानूरपतिगृ
हनेआगणेजी॥ दरषधूरीमनमोहि॥ मासूइपूष्पाघरनेबारणेजी॥६॥
वेतामादरसमोहि॥ त्रैलोकासुंदरीमनदरषीघणेजी॥ वरीयोकुमरसुरे
णा॥ राटेंआपेंपुष्पबडुधनसूषणेजी॥७॥ करनविलुंकेकुमार॥ राटेंपूरु
षीमनकामनाजी॥ आपेपंचउरंगा॥ चपलचचलगतिपाणीपंषनाजी॥
८॥मागुआप्युराय॥ दरषेकूनवीवादसोहामणोजी॥ देषीकन्यारू
पा॥ कुमरघट्योमनमोहिदयामणेजी॥९॥ कीधकमबलनमकाज॥ कु
मरीअमरीसरिषीपदमिनीजी॥ किमकोहीनेदाघ॥ देतानीगमणे
दिनयामिनीजी॥१०॥इमचिंतवतोतेह॥ मंदिरआव्योबडुआंबरे

जी॥ देषीपीउचलचित्त॥ कुमरीचमकीदीयउलीतरेजी॥१२॥इंग
तिजाणीसाव॥ केकिनमुकेंकुमरीतेदहनीजी॥ मनमांहिदिलगीर
॥रोगेरंजाणीमीजीजेदहनीजी॥१३॥ मंत्रीसरकरेसान॥ देदचिंताहु
मिमिकविनीसरीजी॥ जलझारीलेईनारि॥ चालीलांबोघूघटवीस
रीजी॥१४॥तेदकहूपणितेद॥ दीठोश्रममनेउलोरयो॥ सुपीउ
तुमनकेदेदनृषतृषाकेंतमुऊनेकदोजी॥१५॥ हानानकदीरेकाय॥
मनजाणीमोदकमंगावीयाजी॥ कुंयरचाषीरेतेद॥ अवसरवचन
कदेरससनावीयाजी॥१६॥ इहा॥ पीउाएमोदकलला॥ षांधोलाजेच
ष॥ पीणानीरउजेणीनुमिले॥ तोमविघाइसुरक॥१७॥चितेराजकुमा
रि॥ सुणजाणेंउजेणीनीरनेजी॥ अघवातिहांकोईहीस॥ गटोदोसघ
रिमाथनावीरनेजी॥१८॥ जलकीझंमुषशुद्ध॥ बीरुमाण्युहाघेकंत

॥ आव्योमंदिरसोय॥ वनिताबोलेलहीचलचित्तनेजी॥१९॥किमपीउ
घेंदिलगीर॥ वातकहोमनमांहोंवेजिसीजी॥ दूषेंउदरमुऊनोर॥२०
कहीदेदचिंताउंघोधसीजी॥२१॥ वनितारदीवेमास॥ जलनेईकेंघ
रीजास्युवदीजी॥ तेपडुतोलतकाल॥ वेवस्कउऊणीपंघेनिहारदीजी
॥२२॥रघआरोपीवस्क॥ आरउरंगमजोमऊजोतस्याजी॥ बांधोपूंछेरे
एक॥ चाल्याउरतनिहाघीपाधराजी॥२३॥ पूछेपंघीनेपंघ॥ कुंयरबेठो
रघनिनीट्यपणेंजी॥ घोडाहिवसमझारि॥ कुमरपहुतोनगरेआपणेंजी॥
२४॥ पुणेंसीधोरेकाज॥ आठमीहालेरामविजयकदेजी॥ पुण्यकरोस
विलोक॥ इहलविपरलविजेदघीसुखलहेजी॥२५॥इहा॥मातपिता
मंगलतणा॥ ऊषरऊपिघयाद॥ सुतैतनीसुधिलाधीनदी॥ केतादिवस
गयाद॥२६॥मंदिरदीठोआवतो॥ रघबेठोगुणवंत॥ राजकुमरकोईअम

घरडा॥रथषेमीआवेतम॥२॥वासोपणिनरद्यो किमें॥अरदोआवोजाम
॥मातपिताइंछलष्यो॥ निजअंगजनेताम॥३॥दीयसुंदरषेदेजसु॥दुष
दोदगटलीयाद॥मातपितानेपुत्रए॥बहुदिवसेमिलीयाद॥४॥अंक
वेसाखीपुत्रने॥रजलूहेघणनेद॥सुतनवरावेमाफली॥आसूनेनरिद
॥५॥वातकहीसघलीतिणे॥फरि हुंतीसमनेद॥दरषा मातपिताघणु॥
सुणोदयजहीतेद॥६॥दिवेत्रेलोकासुंदरीतणो॥नविनिसुणेअवदात
॥परणापूहेजेघयो॥ कहुंमविस्तरवाता॥७॥ढाल मधुकरनी॥ राजकु
मरीकेहंगई॥नविहीतोनिजकंतदो॥सुंदर॥ मनविलषाणीमहासम
ती॥नटणेनीरझरंतदो॥सुंदर१॥ कर्मनखुटेआघणो॥दीजेकेदनेदो
सदो॥सुंदर॥ परणोघीतमपरिहरी॥के मराटोविणरामदो॥सुंदर॥
कर्मणा॥पहिरावेनिजपुत्रने॥ मंगलकलसनोवेमदो॥सुंदा॥ राजकुम

षिषोपासेमोकलो॥सूवानेशनिवेसदो॥सुंदा॥३कर्मणा॥आवोराट्याऊ
परिकुमरीइंदीठो जोमदो॥सुंदा॥ कुत्सितरूपेकोहीजे॥ऊबकिकुलिघई
तामदो॥सुंदर॥४कर्मणा॥घाणविषेक्रिमवेगलो॥जइऊलाइणिवारदो॥सुंद
॥आवोरमोसुरवसेजमो॥वुसुरुघाणआधारदो॥सुंदा॥५कर्मणा॥वलनुंकदे
सासुंदरी॥मूढविमामीवोलदो॥सुंदा॥नुंकुंणहुंकुंणइमसदो॥कदीइनव
चनमिटोलदो॥सुंदा॥६कर्मणा॥पूरवहुंकृतमाचरया॥फलपामोछतास
दो॥सुंदा॥७कर्मणा॥ट्यतःपंफलमिडियेछेद॥दोलीपंचलवेसवो॥सवे
नराणास्त्रीणाचा॥न्यकातासकचेतसा॥८॥रदिअलगोसुरघीसदी॥
मोपरनारीसंगदो॥सुंदा॥ सुरुपिनजयरिरूजेणिमा॥वासीवस्योमनिरा
गदो॥सुंदरा॥कर्मणा॥ वासनुवनघीमसंत्रमें॥ वादिरआवीनेदेदो॥सुं
॥दासीसमीपेंकलीरही॥ पूछेतेमसनेदहो॥सुंदा॥१०कर्मणा॥ किमस्वामिनि

ऊ नावलि॥ सुखवनसमायेसासदो॥सुण॥ घीतमघीकिमऊसगी॥ना
नाषेइमनीसाहसदो॥सुण॥१७कर्म॥ नदीमुऊवत्तसदा किणो॥दी
सेकोढीकोयदो॥सुण॥ नादराथोक्किदोमादरो॥कैदेइमसुदतीरोयदो
सुण॥१८कर्म॥ रातिराईरंविऊगीयो॥ राईपीदरतेबालदो॥सुण॥ वा
तसुणावीमातमे॥सुणिऊहीचिन्नऊालदो॥सुण॥१९कर्म॥ राजसत्ता मां
दिआवीयो॥ मंत्री ऊनुदिनिधानदो॥सुण॥ श्यामवदननीचेमुखे॥बो
लावोराजानदो॥सुण॥२०॥ किमतुमेआमणदूमणा॥ कहोमंत्रीम
नमेलिदो॥सुण॥ दर्पनइठामेषेदस्यो करोयघारुचिकेलिदो॥सुण॥२१धर्क
र्म॥ राजननअवलीकर्मनी॥ गतिदीमेआमदायदो॥सुण॥ विधिप्रतिकूल
घयोयदा॥ स्योजगि कीजेउपायदो॥सुण॥२२कर्म॥ यऊक्तमाषेयो॥ प्रति
कूलता सुपरातेदिविधो॥ विफलत्वमेतिसकलादिकला॥ अवलेबनाय

दिनसहुरसु॥ नापतिष्यतःकरसदस्त्रमपि॥२३॥ ऊतऊदयेआवेसदा॥
विणऊतनावेकाकोयदो॥सुण॥ षेदकिस्योकरवोइदा॥ कर्मकरेसो
दोयदो॥सुण॥२४कर्म॥ यतः॥ उदयंतियदिलानुपश्चिमायादिशाथ
यो॥ उचलतियदिमेरुः शीततायातिवह्निः॥ विकसतियदिपद्मंपर्वता
रोहिलाट्यो॥ नदपिनचलतीयंलाविनीकर्मरेषा॥२५॥ तथाचान्यदप्युक्तं
॥रेजीवसुदऊदेसु॥ निमिन्नमिन्नंपरं विद्याणइ॥ सकयफलसुंजेतो॥
कीसमुदाऊप्पइपरस्स॥२६॥ राय कहेमंत्रीसुणो॥ दुस्कनुकारणमु
न्नदो॥सुण॥ अंतरस्योमुऊआगले॥ ष॥ परकाजोनिजगुन्नदो॥सुण॥
२७कर्म॥ प्रीतितिदापमऊदोकिस्यो॥ पमऊदोतिदाकुणघीनदो॥सुण॥
देजेदीयकुणोलिइ॥एदिजघीतनीरीतिदो॥२८सुण॥कर्म॥ यऊक्तं॥ द
दातिप्रतिगृणंति॥ गुन्नमाख्यातिजल्पति॥ नुऊेसोजटयतेचेवा॥षष्ठि

धिप तिलकु णा ॥ ४ ॥ नोषीनीसा मोतेकदे ॥ राजन जेकरे दे वदो ॥ सु
॥ तिहा नदी जोरो केदेनो ॥ कुनसोगवीड मदे वदो ॥ सु ॥ १७ क मि
॥ उमपुत्रीनीसगते ॥ मुऊ आराज गुणवंतदो ॥ सु ॥ विणठी काय
या कोदुष्टी ॥ फरसनोदोष महंतदो ॥ सु ॥ १८ क ॥ कुलषंपणए
कुंयरी ॥ कोए विधातादीधदो ॥ सु ॥ देवकुमरसमकंतनो ॥ जे
णेहकोही कीधदो ॥ सु ॥ १९ क ॥ वातसुणी विलषो घट्यो ॥ आवो
मंत्रिआवासदो ॥ सु ॥ जामा तादेषीकरी ॥ डुंयामनमांदेउदास
दो ॥ सु ॥ २० क ॥ कुलषंपणए कुंयरीपणि पुत्रीनिरदोसदो ॥ कु
॥ एहवडो अतिआकरो ॥ कीजेकेदोरोसहो ॥ सु ॥ २१ क ॥ रा
यकदे मंत्रीसुणा ॥ कीधकमे मछलनआकाजदो ॥ सु ॥ जोरेआपीआ
गजा ॥ कुऊसुतविणठोआजदो ॥ सु ॥ २२ क ॥ दोसनदी कोइ

२०

राजनो ॥ मही कोयसदूनोवांकदो ॥ सु ॥ त्रिणिभुवनमांदिवालीजे
॥ कर्मआगेआंकदो ॥ सु ॥ २३ क ॥ तेमाटेकुस्वामिनें ॥ रीसनं
करमोकोयदो ॥ सु ॥ पुत्रीनीपरे पालसुकर्मकरेसोदोयदो ॥ सु
॥ २४ क ॥ कर्मवसेमहुनेमनें ॥ वातवमीतिणिवारदो ॥ सु ॥ वा
लीपणिवेरणिघडी ॥ कोईनलेतमसारदो ॥ सु ॥ २५ क ॥ एकअ
लाधेमंदिरे ॥ रंदेतेअबलावालदो ॥ सु ॥ चिंतेए मावुमरणघी ॥ मु
ऊमाघेएआलदो ॥ सु ॥ २६ क ॥ सविसुणेनवमीढालमा ॥ क
रुनकर्मनजंजालदो ॥ सु ॥ रामविजयकदेकोईनें ॥ कदीयेनदी
नेआलदो ॥ सु २७ क ॥ २९ ॥ इदा ॥ त्रैलोक्यसुंदरि चिंतवे ॥ वि
रुनकर्मविलास ॥ मुऊमाघेआवीपम्यो ॥ बेठीरंदेउदास ॥ १ ॥ मुऊ
नेमुकीनेगयो ॥ वालिमनबलसनंद ॥ अवगुणकोइदाष्योनदी ॥

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June 2017

॥सालेमुक्तनेनेत्र ॥२॥ वली माघे सबलो थे चदी ॥ कोहीतणोकल्पे
क ॥ घइसरूनेअजखा मणी ॥ कमवेमेऽरक ॥३॥ यत ॥ कुमुदव
नमपश्रि श्रीमदंनोजरवेरुं ॥ त्यजतिमुद्मुलूक ॥ प्रीतिमांश्चक्र
वाक ॥ नुदयमदिमरश्रियातिशीता शुरस्तो ॥ दतविधिलसिता
नोद्वि

शांतिनाथप्रथमखंड